बीएसएनएल कर्मचारी संघ ने जताया विरोध

बीएस संवाददाता
नई दिल्ली, 4 मार्च

बीएसएनएल के कर्मचारी संघ ने सैम पित्रोदा कमेटी की सिफारिशों को सिरे से खारिज कर दिया है जिसमें कंपनी के कर्मचारियों की संख्या में एक तिहाई कमी करने की सलाह दी गई है। इस कमेटी ने एक रणनीतिक निवेशक या आईपीओ के जरिये 30 फीसदी हिस्से का विनिवेश करने की बात भी कही है। बीएसएनएल इम्पलॉयी यूनियन के प्रमुख वीएएन नंबूदरी का कहना है, 'हम पित्रोदा कमेटी के सिफारिशों का विरोध करते हैं। कर्मचारियों की संख्या में कमी करने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि हर साल करीब 10,000 कर्मचारी रिटायर हो रहे हैं।' उनका कहना है कि सभी यूनियन की अगले हफ्ते बैठक बुलाई जाएगी और इसके विरोध में अगले कदम के लिए फैसला लिया जाएगा कि इसके खिलाफ हड़ताल पर जाना है या नहीं।

बीएसएनएल यूनियन पिछले दो साल से बीएसएनएल आईपीओ का विरोध कर रहा है। सरकार ने तब महज 10 फीसदी हिस्सेदारी का विनिवेश करने की योजना बना रही थी। नंबूदरी का कहना है कि सभी यूनियन कंपनी के निजीकरण के खिलाफ है।

पित्रोदा कमेटी में एचडीएफसी के अध्यक्ष दीपक पारेख और टेलीकॉम सेक्रेटरी पी जे थॉमस सदस्य हैं। यह कमेटी बीएसएनएल की कार्यप्रणाली की समीक्षा करने के लिए बनी थी। बढ़ती प्रतियोगिता और कम होती बाजार हिस्सेदारी की वजह से पहली बार बीएसएनएल को घाटा होने की उम्मीद है।